ऐसा मेरा सतगुरू कहे समझाया भजन लिरिक्स

ऐसा मेरा सतगुरू कहे समझाया,
जागी सुरत मेहर सतगुरू कि,
जब प्रीतम दरसाया,
ऐसा मेरा सतगुरू कहें समझाया।bd।

सतगुरू सेन दया कर दिनी,
मन का मेल मिटाया,
हुतू झाड काट कियो क्याने,
सोहम राह बताया,
ऐसा मेरा सतगुरू कहें समझाया।bd।

अडद ऊडद बिच जोय सुखमणा,
तां पर बंद लगाया,
बंकनाल ऊलटा होय चाल्या,
सतगुरू मर्ग बताया,
ऐसा मेरा सतगुरू कहें समझाया।bd।

पांचो मुद्रा झुकी ऊरद पर,
तंत पांचो ऊलटाया,
नवसो नाड धमकती चाल्यो,
रोम रोम घरनाया,
ऐसा मेरा सतगुरू कहें समझाया।bd।

अगम भोम जहा गंगन मंडल हे,
सुरती का बंद लगाया,
तां के आगे छेक दसवा को,
मानसरोवर न्हाया,
ऐसा मेरा सतगुरू कहें समझाया।bd।

तां के आगे सात सुन हे,
श्वेत फुल दरसाया,
तहा नवल जी चरणा मे लोटे,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

गुरू करता जी से पाया,
ऐसा मेरा सतगुरू कहें समझाया।bd।

ऐसा मेरा सतगुरू कहे समझाया,
जागी सुरत मेहर सतगुरू कि,
जब प्रीतम दरसाया,
ऐसा मेरा सतगुरू कहें समझाया।bd।

गायक – धनराज जोशी।
प्रेषक – दिनेश दास जी महाराज।
शाहपुरा, 8290236813

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com